www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 34 || लखनऊ
सोमवार
04 मई 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:26
सूर्यास्तः 06:41
अधिकतमः 29°00
न्यूनतमः 23°00

पेज 03

विशेष समाचार

देश भर में लगातार बढ़ रहे... >> पेज 02

आप नेताओं को घसीटकर ले... >>पेज 04

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग ...

टीएमसी का आरोप- बीजेपी के झंडे वाली कार को बिना जांच काउंटिंग सेंटर में एंट्री मिली

काउंटिंग ड्यूटी की जानकारी लीक हो रही : सुवेंदु अधिकारी

सुवेंदु ने एक्स पर पोस्ट कर वॉट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि एक स्प्रेडशीट और लिस्ट सर्कुलेट हो रही हैं। इसमें अधिकारी अपनी इलेक्शन ड्यूटी की जानकारी और काउंटिंग में उनकी भूमिका भर रहे हैं। कोलकाता के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में रिजल्ट से एक दिन पहले काउंटिंग सेंटर के बाहर हंगामा हुआ। टीएमसी कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बीजेपी के झंडे वाली कार को बिना जांच स्ट्रॉन्गरूम परिसर में एंट्री दी गई।

पुनर्मतदान

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में सुवेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि काउंटिंग ड्यूटी पर तैनात कई अधिकारी अपनी ड्यूटी, लोकेशन और पद की जानकारी अपने विभागीय संगठनों और एसोसिएशन को शेयर कर रहे हैं। उन्होंने इसे नियमों के खिलाफ बताया। इधर, चुनाव आयोग ने फालता विधानसभा क्षेत्र के सभी 285 पोलिंग स्टेशनों पर 21 मई को दोबारा मतदान कराने का आदेश दिया है। काउंटिंग 24 मई को होगी। ECI के अनुसार, 29 अप्रैल को यहां वोटिंग के दौरान चुनावी नियमों का उल्लंघन हुआ था। फालता विधानसभा सीट पर दोबारा मतदान को लेकर अभिषेक बनर्जी के ट्वीट पर उन्होंने कहा कि अभिषेक बनर्जी का व्यवहार संविधान के खिलाफ है। वह पूरे देश को चुनौती दे रहे हैं। जो भी पूरे देश को चुनौती देता है, उसे हार मिलती है। 21 मई को उन्हें जवाब मिल जाएगा पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिला मजिस्ट्रेट अनीश दासगुप्ता ने कहा कि यहां तीन लेयर में सुरक्षा लगाई गई है। पहला घेरा जिला पुलिस का है, दूसरा राज्य सशस्त्र पुलिस का और तीसरा अंदर का घेरा केंद्रीय बल का है। यहां दो एंट्री गेट हैं। बंगाल चुनाव की मतगणना से पहले नेताजी इंडोर स्टेडियम स्थित स्ट्रॉन्गरूम के बाहर BJP की महिला कार्यकर्ता पहुंचीं।

>> (शेष पेज 04 पर)

बंगाल में काउंटिंग सेंटर्स पर सीएपीएफ की 200 कंपनियां तैनात

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि सभी तैयारियां पूरी हैं। तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था है। आरओ, एआरओ, काउंटिंग एजेंट और काउंटिंग सुपर-वाइजर सभी तैयार हैं। उन्हें कई बार प्रशिक्षण दिया गया है। कहीं किसी तरह की कोई गड़बड़ी की संभावना नहीं है, सब कुछ नियमों के अनुसार होगा। उन्होंने कहा कि काउंटिंग सेंटरों पर CAPF की 200 कंपनियां तैनात की गई हैं।

बंगाल में बीजेपी नेता के घर के बाहर फायरिंग, 2 गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से एक दिन पहले नॉर्थ 24 परगना जिले में बीजेपी नेता के घर के बाहर फायरिंग का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस घटना में शामिल होने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बीजेपी नेता कुंदन सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि शनिवार देर रात नोआपारा विधानसभा क्षेत्र में उनके घर के बाहर कुछ लोगों ने गोली चलाई। इस घटना से इलाके में दहशत फैल गई।

बंगाल एग्जिट पोल्स 2026

कुल सीटें: 294 । बहुमत: 148

एजेंसी	TMC	BJP	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
चाणक्य स्ट्रेटीज	130-140	150-160	0-5
पीपुल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-5
पी मार्क	118-138	150-175	0-0
जनमत पोल्स	195-205	80-90	1-4
टुडेज चाणक्य	100	192	2
एवरेज	**137**	**151**	**6**

बंगाल भाजपा अध्यक्ष बोले- वोट लूटने की कोशिशों के खिलाफ एकजुट होना होगा

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि सबको एकजुट होना होगा। वोट लूटने की कोशिशों के खिलाफ साथ आना जरूरी है। उन्होंने कहा कि TMC सुप्रीम कोर्ट गई थी और वोट लूटने का अधिकार मांग रही थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। TMC यहां-वहां छोटे-छोटे तनाव पैदा करने की कोशिश कर रही है, लेकिन इसमें सफल नहीं होगी।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेशक ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह और विशेष महानिदेशक वितुल कुमार ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले नेताजी इंडोर स्टेडियम स्थित स्ट्रॉन्गरूम और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा के पूरे इंतजाम हैं। सभी को मतगणना के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इसमें केंद्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारी शामिल होंगे। किसी तरह की कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

सुवेंदु अधिकारी का आरोप- काउंटिंग ड्यूटी की जानकारी साझा हो रही, तीन बड़े खतरे गिनाए

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने X पर पोस्ट कर कहा- कि काउंटिंग ड्यूटी पर तैनात कई अधिकारी अपनी ड्यूटी, लोकेशन और पद की जानकारी अपने विभागीय संगठनों और एसोसिएशन को शेयर कर रहे हैं। उन्होंने इसे नियमों के खिलाफ बताया। उन्होंने व्हाट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि एक स्प्रेडशीट और लिस्ट भी सर्कुलेट हो रही हैं।

4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

- हादसे के वीडियो में बिल्डिंग के दूसरे फ्लोर से आग की लपटें उठती दिखाई दीं।
- आग इतनी भयावह थी कि बिल्डिंग के पीछे का पूरा हिस्सा धुएं से काला हो गया।

9 मृतकों के नाम सामने आए, लेकिन पहचान मुश्किल

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी।

अखिलेश यादव ने टॉपर्स को बांटे लैपटॉप, मुफ्त शिक्षा का किया वादा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट के टॉपर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके शिक्षकों और अभिभावकों के योगदान को भी सराहा। अखिलेश यादव ने कहा कि छात्र अपनी सफलता को आगे भी बनाए रखें और समाज को अपने ज्ञान का लाभ दें। उन्होंने नेताजी के कार्यकाल में शुरू की गई कन्याविद्या धन योजना का जिक्र करते हुए कहा कि 2027 में सरकार बनने पर केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में मलिहाबाद की छात्रा उन्जिला फातिमा को 97% अंक प्राप्त करने पर लैपटॉप दिया गया। वहीं क्राइस्ट चर्च कॉलेज की छात्रा सारा मोईन को 98.75% अंक हासिल करने पर विशेष सम्मान मिला। सारा मूक-बधिर होने के साथ दृष्टिबाधित भी हैं, मेरठ जिले के टॉपर छात्र-छात्राओं को भी विधायक अतुल प्रधान के सौजन्य से लैपटॉप वितरित किए गए। इसके अलावा लखनऊ की अनन्या यादव को राजनीतिक विज्ञान में 100 में 100 अंक लाने और सीतापुर की अंकिता यादव को प्रदेश में पांचवां स्थान पाने पर सम्मानित किया गया। इनके अतिरिक्त लखनऊ की अनन्या यादव को राजनीतिक विज्ञान में 100 में 100 नम्बर पाने के लिए और सीतापुर की अंकिता यादव को इंटर में प्रदेश में 5वां स्थान पाने पर लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निकिता ने अपनी कविता पढ़ी, दिव्यांशी शर्मा ने अपनी पढ़ाई के लिए श्री अखिलेश जी से सहयोग करने के लिए कहा। अली साहब ने प्रेरक संवाद सुनाए तथा सारा के शिक्षक ने भी अपने विचार रखे और श्री अखिलेश यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

फास्ट न्यूज

क्रूज हादसे में 13 मौतें, आज मिले चाचा-भतीजे के शव

जबलपुर। "यह एक्सीडेंट नहीं, मर्डर है... हमें रेमेडी (मुआवजा) नहीं, जस्टिस चाहिए। इसके लिए सारा का सारा एमपी टूरिज्म डिपार्टमेंट रिस्पॉन्सबल है। अभी तक कितने ऑफिसर अरेस्ट किए गए, कितने सस्पेंड किए गए? उसे अरेस्ट क्यों नहीं किया गया?" यह आक्रोश है क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले कामराज के दोस्त और सहकर्मी का। उन्होंने सीधे तौर पर टूरिज्म डिपार्टमेंट को कटघरे में खड़ा किया और अफसरों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

यात्री चलती फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलकर कूदा

चेन्नई। चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह लैंडिंग के दौरान एयर अरेबिया की चलती फ्लाइट में एक यात्री इमरजेंसी गेट खोलकर नीचे कूद गया। यह फ्लाइट शारजाह से चेन्नई पहुंची थी और इसमें 231 यात्री सवार थे। घटना सुबह करीब 3:23 बजे हुई। एयरबस A320 मॉडल की फ्लाइट G9 471 रनवे से टर्मिनल की ओर बढ़ रही थी। घटना के बाद पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया और एयरपोर्ट अधिकारियों को सूचना दी। घटना के बाद यात्री एयरपोर्ट के कमर्शियल एरिया की ओर भागने लगा, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत उसे पकड़ लिया।

रेसलर विनेश फोगाट बोलीं- मैं भी बृजभूषण के शोषण की पीड़ित

पानीपत। ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती संघ (WFI) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके विनेश ने कहा, यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है। आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं।

होर्मुज को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना देंगे : ईरान

अमेरिकी जहाजों का वही अंजाम होगा जो उसके F-15 फाइटर जेट का हुआ था

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान के सीनियर अधिकारी मोहसिन रजाई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी सेना की कब्रगाह बना दिया जाएगा। मोहसिन रजाई पहले ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) में कमांडर रह चुके हैं। अमेरिकी सेना को समुद्री लुटेरा (पाइरेट) बताते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का इकलौता ऐसा पाइरेट है जिसके पास एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। रजाई ने पिछले महीने इस्फहान में एक अमेरिकी F-15E विमान गिराए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जैसे उस विमान का मलबा पड़ा था, वैसे ही अमेरिकी जहाजों और सैनिकों का भी अंजाम हो सकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि ईरान ने कोई गलती की, तो उस पर फिर से हमले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका फिलहाल मजबूत स्थिति में है, जबकि तेहरान दबाव में है और समझौता करना चाहता है। इसके अलावा ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर बताया कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान की ओर से 14-पॉइंट का प्रस्ताव मिला इस नए प्रस्ताव का हम रीव्यू भी कर रहे है। इसके अलावा प्रस्ताव में होर्मुज स्ट्रेट को लेकर नया मैकेनिज्म बनाने।

इजराइली सेना का कहना है कि उसने दक्षिण लेबनान में 24 घंटे के अंदर हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा हथियार बरामद किए हैं। सेना के मुताबिक, इनमें कलाश्निकोव जैसी राइफलें, करीब 20 रॉकेट, स्नाइपर गन और अन्य युद्ध से जुड़े सामान शामिल हैं।

समय से प्रक्रिया पूरी होने पर सीएम योगी का जताया आभार

यूपी में पारदर्शी भर्ती से खिले चयनित अभ्यर्थियों के चेहरे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के 357 कनिष्ठ विश्लेषक (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों के चेहरे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर खुशी से दमक उठे। उन्होंने योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की सराहना की। कनिष्ठ विश्लेषक (औषधि) के पद पर चयनित औरैया के प्रतीक कुमार दीक्षित ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि समयबद्ध तरीके से चयन प्रक्रिया पूरी होना युवाओं के लिए बड़ी राहत है। प्रतीक ने यह भी कहा कि पहले प्रयोगशालाओं की संख्या कम थी, लेकिन योगी सरकार ने लैब बढ़ाकर रोजगार के नए अवसर सृजित किए हैं। दंत स्वास्थ्य विज्ञानी (डेंटल हाइजीनिस्ट) के पद पर चयनित लखनऊ की साक्षी सिंह ने नियुक्ति पत्र पाकर कहा कि यह पूरे परिवार के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही, जिसके कारण योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिला है। मुख्यमंत्री के संबोधन से उन्हें प्रेरणा मिली है और वे अपने दायित्व का पूरी निष्ठा से निर्वहन करेंगी।

>> (शेष पेज 04 पर)

महिलाओं और युवाओं को मिला सम्मान

कनिष्ठ विश्लेषक औषधि के पद पर चयनित मुरादाबाद की प्रियंका गौतम ने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार में सभी वर्गों, खासकर महिलाओं को सम्मान मिल रहा है।

उपग्रह : ऑप्टिकल और रडार दोनों से फोटो ले सकता है, ऐसा करने वाला दुनिया का पहला उपग्रह

भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सैटेलाइट 'दृष्टि' लॉन्च

- पीएम मोदी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट के गैलेक्सआई को बधाई दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप गैलेक्सआई ने रविवार को अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से अपना पहला सैटेलाइट 'दृष्टि' लॉन्च किया। 190 किलो वजन के साथ दृष्टि भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट सैटेलाइट है। दृष्टि सैटेलाइट एक साथ ऑप्टिकल और रडार (SAR) दोनों से फोटो ले सकता है। अब तक दुनिया के सैटेलाइट या तो मल्टी-स्पेक्ट्रल/हाइपर-स्पेक्ट्रल (ऑप्टिकल) इमेज लेते थे या SAR तकनीक का इस्तेमाल करते थे। ऑप्टिकल इमेज साफ और समझने में आसान होती हैं। SAR यानी सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक बादलों, बारिश या रात में भी इमेजिंग कर सकती है। गैलेक्सआई ने टेक्नॉलजी को Opto-SAR नाम दिया है। दृष्टि से रक्षा, खेती, डिजास्टर मैनिज्मन्ट, समुद्री निगरानी और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग जैसे कामों में मदद करेगा। यह सैटेलाइट इसरो (ISRO) के 29 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट्स का साथ देगा। पीएम मोदी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट के गैलेक्सआई को बधाई दी।

दृष्टि से हर मौसम में सैटेलाइट इमेजिंग होगी

कंपनी के संस्थापक सुयश सिंह के मुताबिक,पहले बेहतर जानकारी के लिए अलग-अलग सैटेलाइट का डेटा जोड़ना पड़ता था। इससे अलग-अलग समय और एंगल की तस्वीरों का मेल नहीं बैठता था। 'दृष्टि' एक ही समय में एक ही जगह की सटीक तस्वीर देगा। उन्होंने बताया कि खराब मौसम में ऑप्टिकल इमेज नहीं मिलने पर कंपनी AI से SAR डेटा को ऑप्टिकल जैसी तस्वीरों में बदल सकती है। इससे हर मौसम और हर समय इमेजिंग संभव होगी।

भारत के लिए खास है दृष्टि की टेक्नोलॉजी

यह तकनीक पहले इसलिए विकसित नहीं हुई क्योंकि ज्यादातर सैटेलाइट कंपनियां पश्चिमी देशों में हैं, जहां मौसम साफ रहता है। भारत में बादलों की समस्या ज्यादा होती है, इसलिए ये समाधान तैयार किया गया है। इस सैटेलाइट को बनाने में सबसे बड़ी चुनौती ऑप्टिकल और SAR तकनीक के बीच तालमेल बैठाना था। दोनों सेंसर अलग-अलग एंगल से धरती को देखते हैं। इसलिए कंपनी ने ऐसी टेक्नोलॉजी विकसित की, जिससे दोनों एक ही समय में एक ही लोकेशन की इमेज ले सकें।

स्मार्ट मीटर उखाड़कर पावर हाउस में फेंके

लखनऊ में घसीटकर ले गई पुलिस, कानपुर-वाराणसी और प्रयागराज में भी प्रदर्शन

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा, वाराणसी, कानपुर। यूपी में स्मार्ट मीटर का विरोध बढ़ता जा रहा है। रविवार को आगरा, प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, फतेहपुर और वाराणसी में स्मार्ट मीटर को लेकर प्रदर्शन हुए। फतेहपुर में बिजली उपभोक्ताओं ने स्मार्टर उखाड़कर पावर हाउस में फेंक दिए। आगरा में महिलाओं ने घरों से स्मार्ट मीटर उखाड़कर सड़कों पर फेंक दिए। कहा, हमें स्मार्ट नहीं, पुराना वाला मीटर चाहिए। स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। एडवांस में रुपए जमा कराए जा रहे हैं। रुपए जमा करने पर भी बिजली कट रही है। पता करने पर कहते हैं कि बैलेंस माइनस में है। यहां दो दिन पहले भी प्रदर्शन हुआ था। भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर बढ़ने लगे। प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने श्रीराम टावर के पास रोक लिया।

- आगरा के छलेसर गांव में स्मार्ट मीटर उखाड़कर सड़क पर फेंक दिए।

सम्पादकीय

शिक्षकों के बिना शिक्षा, करीब दस लाख पद खाली

यह निराशाजनक है कि राज्यों में शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति को फिर से चिंता जतानी पड़ी। इस समिति ने पिछले वर्ष भी स्कूली शिक्षकों के खाली पड़े पदों पर चिंता जताते हुए उन्हें इस वर्ष मार्च तक भरने की आवश्यकता पर बल दिया था, लेकिन उस पर ध्यान नहीं दिया गया और इसीलिए अब इस समिति ने शिक्षकों के खाली पद भरने में देरी करने वाले राज्यों की वित्तीय मदद रोकने का सुझाव दिया है। समिति के अनुसार जब तक राज्य शिक्षकों के खाली पद नहीं भरते, तब तक उन्हें समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रदान की जाने वाली वित्तीय मदद न दी जाए। यदि ऐसा किया जाता है तो यह भी संभव है कि राज्य वित्तीय सहायता के अभाव में रिक्त शिक्षकों के पद भरने में और अधिक सुस्ती दिखाएं। यह ध्यान रहे कि संसदीय समिति की तरह से शिक्षा मंत्रालय भी राज्यों से शिक्षकों के रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने का आग्रह कर चुका है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह सामान्य बात नहीं कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में शिक्षकों के करीब दस लाख पद खाली पड़े हैं। इनमें लगभग साढ़े सात लाख पद प्राथमिक शिक्षकों के है। इसका अर्थ है कि शिक्षा की बुनियाद ही कमजोर की जा रही है। यह एक विडंबना ही है कि शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने में पिछले कई वर्षों से ढिलाई बरती जा रही है। यह ढिलाई यही बताती है कि राज्य सरकारें स्कूली शिक्षा की दशा-दिशा सुधारने के प्रति गंभीर नहीं। उनकी इस अगंभीरता का परिचय उन सर्वेक्षणों से मिलता है, जो प्राथमिक शिक्षा की दयनीय दशा को रेखांकित करते रहते हैं। ये सर्वेक्षण यह बताते रहे हैं कि किस तरह चौथी-पांचवीं के छात्रों को सामान्य जोड़-घटाव करने में कठिनाई होती है या फिर वे दो-तीन वाक्य भी सही तरह नहीं लिख पाते। यह ठीक नहीं कि राज्य सरकारें समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूली शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए वित्तीय मदद तो लें, पर शिक्षकों के रिक्त पद भरने में आनाकानी करें। यह विचित्र है कि जो काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, वही एजेंडे से बाहर दिखता है। इसका प्रमाण यह है कि कुछ राज्यों में कई वर्षों से बड़ी संख्या में शिक्षकों के पद खाली बने हुए हैं। जैसे उत्तर प्रदेश में 2.17 लाख पद खाली हैं। बिहार में 1.92 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हैं तो झारखंड में 72 हजार और मध्य प्रदेश एवं पश्चिम बंगाल में 55-55 हजार। अपेक्षाकृत संपन्न और छोटे राज्य हरियाणा में भी 15 हजार शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं। शिक्षकों के खाली पद भरने में कोताही एक तरह से देश की भावी पीढ़ी के भविष्य के साथ जानबूझकर किया जा रहा खिलवाड़ ही है।

देश भर में लगातार बढ़ रहे तापमान की वजह से गर्मी का सितम जारी है

हीट डोम को विशेषज्ञों ने साइलेंट किलर का नाम दिया है। यह इंसान के शरीर को धीरे-धीरे अंदर से खोखला करता है। जब तापमान 45 डिग्री के पार जाता है और हीट इंडेक्स (महसूस होने वाली गर्मी) 50 डिग्री तक पहुंच जाता है, इससे हीट स्ट्रोक, गंभीर डिहाइड्रेशन, किडनी फेलियर और हृदय संबंधी बीमारियां तेजी से बढ़ती हैं।

मैदानी इलाकों में इस बार चुभने वाली गर्मी महसूस हो रही है। सूरज की किरणें इतनी तीखी लग रही हैं जितनी पहले नहीं लगती थीं। भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने भी चेतावनी दी है कि इस साल मैदानी इलाकों सहित पहाड़ी इलाकों में भी गर्मी सामान्य से अधिक पड़ेगी। भारतीय मौसम विभाग की मंथली रिपोर्ट देखें तो पता चलता है कि, जलवायु संकट के कारण देश में अब हर मौसम प्रभावित हो रहा है। अप्रैल 2026 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में भीषण गर्मी पड़ने वाली है। आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में से 92 भारत के हैं। AQI.in के अनुसार, टॉप के 20 सबसे गर्म स्थानों में से 19 भारत में हैं, जहां तापमान अप्रैल में ही 45°C से ऊपर जा रहा है। रिपोर्ट्स की मानें तो भारत का 55 प्रतिशत हिस्सा गर्मी के हाई हीट रिस्क जोन में आ चुका है। भारत के अलावा, विश्व के सबसे गर्म देशों की सूची में अक्सर माली, बुर्किना फासो, सेनेगल, कुवैत और इराक जैसे खाड़ी देश शामिल होते हैं, लेकिन वर्तमान में भारत सबसे ज्यादा प्रभावित है। अगर दुनिया की स्थिति पर गौर करें तो पिछले करीब डेढ़ दशक से दुनिया का सामान्य तापमान एक डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया है। 2026 पर गौर करें तो दुनिया में नॉर्मल से 1.44 डिग्री अधिक तापमान बढ़ा है। अगले साल यानी 2027 में गर्मी प्रचंड रूप में पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी। ऐसे में सवाल उठता है कि भारत में इस साल आखिर इतनी गर्मी क्यों पड़ रही है? देश में बढ़ती गर्मी यानी हीट वेव की वजह हीट डोम, कमजोर पश्चिमी विक्षोभ और जलवायु परिवर्तन शामिल हैं। हीट डोम गर्म हवा को जमीन के पास कैद कर रहा है और इसकी वजह से वायुमंडल में उच्च दबाव के कारण एक 'अदृश्य ढक्कन' बन गया है, जो गर्म हवा को ऊपर उठने से रोककर जमीन के करीब ही कैद कर रहा है, जिससे तापमान में भारी वृद्धि हो रही है। पृथ्वी के बढ़ते तापमान के कारण हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता बहुत बढ़ गई है। इसके कारण शहरों में कंक्रीट की इमारतें और सड़कें दिन भर गर्मी सोखती हैं और रात में छोड़ती हैं, जिससे रातें भी गर्म हो रही हैं। वृक्षों की कमी और गिरते भूजल स्तर के कारण नमी कम हो गई है, जिससे शुष्क गर्मी का प्रभाव बढ़ गया है।साथ ही जलवायु परिवर्तन भी बड़ी वजह है, जिसमें अल नीनो का प्रभाव और शहरों में कंक्रीट के बढ़ते उपयोग (अर्बन हीट आइलैंड) से तापमान के पार जा रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने दिया है और चेतावनी दी है कि अल-नीनो-ला नीना अब जलवायु संकट के साथ मिलकर मौसम पैटर्न में बदलाव ला रहे हैं। NOAA और ECMWF ने कहा कि संभावना है कि जून-अगस्त 2026 में अल-नीनो 62 प्रतिशत ज्यादा बनेगा। फिर यह अगस्त से अक्टूबर तक 80 फीसदी तक बढ़ सकता है। सबसे गर्म शहरों की बात करें तो बिहार का भागलपुर, ओडिशा का तालचेर, पश्चिम बंगाल के आसनसोल में तापमान 44°C से 45°C तक दर्ज किया गया है। एनवायरनमेंट एंड वॉटर (CEEW) की 2025 जिला-स्तरीय रिपोर्ट कहती है कि भारत के 734 जिलों में से 417 जिले यानी आधे से ज्यादा जिले हाई या वेरी हाई हीट रिस्क जोन में हैं। वर्तमान में भारत के कई बड़े शहर इस अदृश्य गुंबद के नीचे तप रहे हैं। उत्तर भारत में दिल्ली, कानपुर, बांदा और लखनऊ जैसे शहर आग की लपेट में हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में भीषण गर्मी का प्रकोप है। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अकोला, अमरावती और वर्धा जैसे जिलों में पारा 45 डिग्री के ऊपर बना हुआ है। वहीं राजस्थान और तेलंगाना में भी स्थिति भयावह है। गर्मी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के इन शहरों का तापमान वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक दर्ज किया जा रहा है। यह स्थिति न केवल इंसानों बल्कि फसलों और पशुओं के लिए भी काल बन रही है। मौसम विभाग ने अन्य कई राज्यों में भीषण लू की चेतावनी भी जारी की है। बदलते मौसम पैटर्न के मुताबिक दिन में गर्मी तो रहती ही है, रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिल रही है, इसे 'वार्म नाइट्स' कहते हैं। जब न्यूनतम तापमान सामान्य से 6.14 डिग्री से ज्यादा हो तो इसे 'सीवियर वार्म नाइट' कहा जाता है और यही वजह है कि रातें ज्यादा गर्म हो रही हैं। मेडिकल एक्सपर्ट्स कहते हैं कि दिन में गर्मी पड़ती है तो रात में शरीर ठंडा होकर रिकवर करता है, लेकिन गर्म रातों में यह राहत नहीं मिलती, इससे डिहाइड्रेशन, नींद खराब होना, हाई ब्लड प्रेशर, थकान, चिड़चिड़ापन और हीट-स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।बता दें कि साल 1998-2017 के बीच दुनिया में 1.66 लाख लोगों की मौत हीटवेव से हुई थी। भारत में 2023 में 48,000 हीटस्ट्रोक केस और 159 मौतें दर्ज हुईं। CSE रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक भारत में ग्लोबल वार्मिंग से 5.18 प्रतिशत वर्किंग ऑवर्स गंवाने का अनुमान है। 2015-2100 के बीच एक 2025 मॉडलिंग स्टडी के अनुसार, गर्म रातें हर दशक में 10 से 13 दिन बढ़ सकती हैं और कंपाउंड हीटवेव और आम होंगे।बढ़ते तापमान के कारण हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन के मामले बढ़ रहे हैं। दूसरी तरफ अर्थशास्त्री और स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि, यह भीषण गर्मी सिर्फ तापमान ही नहीं बढ़ाएगी बल्कि यह आर्थिक विकास को धीमा करेगी, उत्पादकता घटाएगी और मेडिकल खर्चों को बहुत ज्यादा बढ़ा देगी। इसके अलावा हीट डोम को समझने के लिए आप एक प्रेशर कुकर या ढक्कन लगे बर्तन की कल्पना कीजिए। मौसम विज्ञान के अनुसार, जब ऊपरी वायुमंडल में उच्च दबाव का एक बहुत बड़ा क्षेत्र बन जाता है, तो वह किसी ढक्कन की तरह काम करने लगता है। सामान्य तौर पर सूरज की रोशनी से गर्म होकर हवा ऊपर उठती है और ठंडी हो जाती है, जिससे बादल बनते हैं या तापमान संतुलित रहता है।

अशोक भाटिया

चित्रकूट में प्रदेश सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं से आ रहा व्यापक बदलाव

उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार का विजन समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की मुख्यधारा को प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। इस संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश भर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जो न केवल आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों का संबल बनी हैं, बल्कि युवाओं और बुजुर्गों के जीवन में एक व्यापक सकारात्मक परिवर्तन भी लेकर आई हैं। इसी कड़ी में चित्रकूट जनपद में संचालित समाज कल्याण विभाग की महत्वपूर्ण पहल मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना और वृद्धजन आश्रम जैसी परियोजनाएं सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित कर रही हैं। यह शासन की दूरदर्शिता और जिला प्रशासन की सक्रियता का ही परिणाम है कि आज बुंदेलखंड के दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले प्रतिभाशाली छात्र अपनी आंखों में प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना हकीकत में बदलते देख रहे हैं और असहाय बुजुर्गों को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार मिल रहा है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना प्रदेश के मेधावी युवाओं के लिए एक क्रांतिकारी कदम के रूप में उभरी है। प्रदेश सरकार की इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य उन आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग और उच्च स्तरीय मार्गदर्शन प्रदान करना है, जो संसाधनों के अभाव में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से दूर रह जाते थे। चित्रकूट के राजकीय जिला पुस्तकालय कर्वी में संचालित इस केंद्र पर वर्तमान में 301 छात्र-छात्राएं सिविल सेवा, जेईई, नीट और अन्य एकदिवसीय परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कक्षाएं प्राप्त कर रहे हैं। इस योजना की गुणवत्ता और सार्थकता का जीवंत प्रमाण श्री दिवाकर सिंह की सफलता में झलकता है। दिवाकर सिंह ने इसी कोचिंग के माध्यम से तैयारी करते हुए उत्तर प्रदेश समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा-2023 में सफलता प्राप्त कर समीक्षा अधिकारी के पद पर अपना चयन सुनिश्चित किया। दिवाकर सिंह की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष और मेधा का परिणाम है, बल्कि यह प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त शैक्षिक संसाधनों की उपयोगिता को भी रेखांकित करती है। उनकी इस सफलता ने चित्रकूट के अन्य ग्रामीण और दूर-दराज के विद्यार्थियों में एक नया आत्मविश्वास भरा है। विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि और सकारात्मक परिणामों को देखते हुए जिला प्रशासन ने आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से मऊ, मानिकपुर और राजापुर जैसी अन्य तहसीलों में भी इस निःशुल्क कोचिंग सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार का यह प्रयास स्पष्ट करता है कि शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्रीय असमानता को मिटाने के लिए प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है।

जन सुराज का...

राजेश श्रीवास्तव

यूपी में महिलाओं पर सियासत तेज लेकिन क्या सत्ता की ताकत महिलाओं तक पहुंची

बीते दिनों लोकसभा में नारी वंदन संशोधन अधिनियम गिर जाने के बाद से ही पूरे देश में इसे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने मुददा बनाया लेकिन इस मुद्दे का सबसे अधिक असर उत्तर प्रदेश में दिखायी दे रहा है। जाहिर सी बात है कि अगर देश में कोई मुद्दा बनेगा तो उसका सबसे अधिक प्रभाव यूपी में ही दिखेगा क्योंकि यह सबसे बड़ा और ताकतवर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार प्रदर्शन, मशाल जुलूस तो विधानसभा सत्र का एक दिन का विशेष आयोजन भी कर चुकी है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में जातीय समीकरण और महिला आरक्षण अब आमने-सामने है। अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले ने 2024 में असर दिखाया था, जिसे भाजपा अब महिला सशक्तिकरण और विकास के मुद्दों से चुनौती दे रही है। विशेष सत्र में महिला आरक्षण पर चर्चा के साथ ही प्रस्तावित परिसीमन विधेयक 2026 भी अहम विषय बन रहा है, जो सीटों की संख्या और आरक्षण को प्रभावित कर सकता है। दशकों से वोटिंग में आगे रहने के बावजूद महिलाएं सत्ता के केंद्र में कभी 10 फीसदी से ज्यादा नहीं पहुंचीं। अब जब लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने वाला बिल गिर गया है तो सवाल उठता है कि क्या इसके पास होने पर गिनती के साथ महिलाओं की ताकत बढ़ पाती या फिर पुरानी तस्वीर ही दोहराई जाती? उत्तर प्रदेश में महिलाओं की उत्तर प्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक यात्रा का इतिहास गौरव और निराशा दोनों से भरा है। 1951-52 के पहले आम चुनाव से लेकर आज तक महिलाएं वोट तो पुरुषों से ज्यादा डाल रही हैं लेकिन संसद और विधानसभा तक पहुंचने का रास्ता उनके लिए आसान नहीं रहा है। 2019 और 2024 के लोकसभा में 20 सीटें ऐसी हैं जहां पुरुषों की संख्या के मुकाबले महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया। फिर भी अब तक 40 फीसदी लोकसभा सीटें ऐसी हैं जहां आज तक कोई महिला सांसद निर्वाचित नहीं हो पाई है। वहीं, 50 फीसदी विधानसभा सीटों पर आज तक कोई महिला नहीं चुनी गई जबकि वोटर लिस्ट में महिलाओं की हिस्सेदारी 46 फीसदी के करीब है। आगरा, सहारनपुर, गोरखपुर, वाराणसी, जौनपुर, कुशीनगर जैसी 33 लोकसभा सीटें और 200 विधानसभा क्षेत्र आज भी बिना महिला नुमाइंदगी के हैं। 1957 से लेकर 2022 तक के विधानसभा चुनावों के आंकड़े यही कहानी दोहराते हैं। 1951 में 50 महिला उम्मीदवारों में से 20 जीतीं। दशकों के बाद 2022 में 559 महिला उम्मीदवारों में 51 जीतीं। यानी कुल सीटों का महज 12.65 फीसदी। सरकार में भी महिलाओं की भागीदारी कभी 10 फीसदी का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। 2017 में 5 पहली बार मंत्री बनीं लेकिन दो बार कैबिनेट विस्तार में कुछ मंत्रियों को हटाया तो कुछ नए चेहरे को मंत्री बनाया। 2022 में भी योगी सरकार में पांच महिला मंत्री बनीं, जो पिछले तीन दशक का रिकॉर्ड है। नेतृत्व की बात करें तो उत्तर प्रदेश ने देश को पहली महिला राज्यपाल, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री देने का गौरव हासिल किया। सुचेता कृपलानी, मायावती जैसी महिलाएं मुख्यमंत्री बनीं, लेकिन उनके मंत्रिमंडलों में महिलाओं की संख्या एक से चार फीसदी तक ही रही। संपूर्णानंद की सरकार में पहली महिला मंत्री प्रकाशवती सूद बनीं। वीर बहादुर सिह की सरकार में छह, एनडी तिवारी में सात महिलाएं मंत्री बनीं। मायावती के चार कार्यकालों में महिलाओं की भागीदारी कभी चार फीसदी से ऊपर नहीं गई। 2007 में मायावती के साथ सिर्फ ओमवती मंत्री बनीं। अखिलेश यादव की 2012 सरकार में 2 महिला मंत्री थीं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 45, सपा ने 42 और बसपा ने 37 महिलाओं को टिकट दिए। कांग्रेस ने 40 फीसदी टिकट देने का प्रयोग किया लेकिन सिर्फ एक जीती। कहा जा रहा है कि आरक्षण बिल पास होने पर दल कानूनी रूप से मजबूर हो जाते। परिसीमन के बाद लोकसभा की 120 सीटों में 40 और विधानसभा की 603 सीटों में कम से कम 200 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जातीं। यह चार दशक की कुल भागीदारी से ज्यादा होता लेकिन संख्या बढ़ने भर से ताकत नहीं बढ़ती. 1993 के संविधान संशोधन के बाद पंचायतों और नगरीय निकायों में एक-तिहाई आरक्षण ने यूपी की आधी से ज्यादा ग्राम पंचायतों, ब्लॉक समितियों और जिला पंचायतों की कमान महिलाओं के हाथ में सौंपी। ग्राम प्रधान के 58,176 पदों में 53.70 फीसदी, ब्लॉक प्रमुख के 826 पदों में 54.11 फीसदी, जिला पंचायत अध्यक्ष के 75 पदों में 56 फीसदी महिलाएं हैं। नगर निगम पार्षदों में 37.54 फीसदी, नगर पालिका अध्यक्षों में 48.74 फीसदी। लेकिन ज्यादातर मामलों में बागडोर पुरुष रिश्तेदारों के हाथ में रहती है। सरपंच पति, प्रधान पति, की परिभाषा भी अपने आप में अनोखी है। चेहरा महिला का, लेकिन फैसला पुरुष का। एडीआर की रिपोर्ट और भी चिंताजनक तस्वीर पेश करती है।

चीन का नाम...

ज्ञान चंद पाटनी

अपने लाभ के लिए भारत की छवि बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं ट्रंप

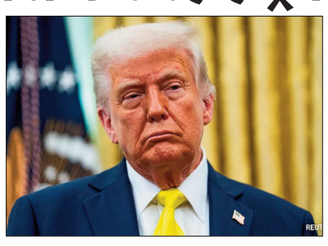

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की घटना के कारण भारत के बारे में की गई टिप्पणी मीडिया की सुर्खियों से गायब जरूर हो गई, लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत की छवि पर एक और आघात करके राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी अविश्वसनीयता का ही परिचय दिया है। उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में भारत को 'नरक जैसी जगह' (हेलहोल) बताया गया। यह टिप्पणी दक्षिणपंथी रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट से ली गई थी जिसमें उन्होंने अमेरिका में जन्म-आधारित नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए भारत और चीन जैसे देशों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे बिना किसी टिप्पणी के शेयर कर दिया, जो अमेरिका की घरेलू राजनीति के संदर्भ में उनके एजेंडे को आगे बढ़ाती है। हालात की नजाकत को देखते हुए भारत ने आक्रामक पलटवार से परहेज किया। हां, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह जरूर कहा कि, ये टिप्पणियां अज्ञानता से भरी, अनुचित और निम्नस्तरीय हैं। ये भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करतीं। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत चल रही है। मजबूत रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को ध्यान में रखते हुए भारत अमेरिका से टकराव नहीं चाहता लेकिन अमरीका को भारत के सब्र की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। सैवेज के 'सैवेज नेशन' एपिसोड में कहा गया कि अमेरिका में जन्मा कोई बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है जिसका फायदा उठाकर 'चीन, भारत या दुनिया की किसी दूसरी नरक जैसी जगह' से प्रवासी परिवार आ जाते हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आधुनिक प्रवासी अमेरिका के प्रति वफादार नहीं हैं और भाषा-संस्कृति को बदल रहे हैं। सैवेज ने भारतीय और चीनी प्रवासियों को 'लैपटॉप वाले गैंगस्टर' तक कह डाला, जो टेक्नोलॉजी सेक्टर में अमेरिकी नागरिकों के अवसर छीन रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह पोस्ट जन्मसिद्ध नागरिकता पर संवैधानिक संशोधन की अपनी मुहिम के बीच शेयर की, जो अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। राष्ट्रपति ट्रंप का दावा है कि यह नीति 'बर्थ टूरिज्म' को बढ़ावा दे रही है, हालांकि कनाडा और मेक्सिको जैसे कई देशों में ऐसी ही व्यवस्था है।ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप का लक्ष्य भारत कम, अमेरिका वोटर ज्यादा थे। बर्थराइट सिटिजनशिप खत्म करने से दक्षिणपंथी आधार मजबूत होगा। रेडियो होस्ट सैवेज जैसे सहयोगी नस्लवादी टोन सेट कर रहे हैं। मिडटर्म चुनावों में प्रवासी मुद्दा बड़ा है। रेटिंग गिरने पर सुर्खियां बटोरना राष्ट्रपति ट्रंप की पुरानी चाल नजर आती है। भड़काऊ बयानों से अपने आधार को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। चीन का नाम भी लिया गया, लेकिन भारत पर फोकस ने यहां राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। भारत जैसे सहयोगी देशों को निशाना बनाकर राष्ट्रवाद जगाना उनका हथकंडा लगता है, लेकिन यह दोनों देशों के संबंधों को नुकसान पहुंचा सकता है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ. शैलेश शुक्ला

समाज को 'अनसोशल' बना रहा है 'सोशल मीडिया

"सोशल" शब्द अपने भीतर एक सहज, मानवीय और आत्मीय अर्थ लेकर आता है—लोगों से जुड़ना, संवाद करना, अनुभव साझा करना और रिश्तों को जीवंत बनाए रखना। लेकिन जब यही शब्द "सोशल मीडिया" के साथ जुड़ता है, तो उसका अर्थ धीरे-धीरे बदलता हुआ दिखाई देता है। आज जिस माध्यम को लोगों को जोड़ने के लिए बनाया गया था, वही कई बार लोगों को भीतर से अलग-थलग भी कर रहा है। यह विरोधाभास केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक गहरी सामाजिक और मनोवैज्ञानिक चुनौती है, जो आज जितनी प्रासंगिक है, उतनी ही आने वाले दशकों में भी बनी रहेगी। सवाल यह नहीं है कि सोशल मीडिया अच्छा है या बुरा, बल्कि यह है कि इसका प्रभाव हमारे सामाजिक व्यवहार, हमारे रिश्तों और हमारी मानवीय संवेदनाओं पर किस दिशा में पड़ रहा है। आज का मनुष्य पहले की तुलना में अधिक जुड़ा हुआ दिखता है, लेकिन भीतर से कहीं अधिक अकेला भी होता जा रहा है। हजारों "फॉलोअर्स" और सैकड़ों "लाइक्स" के बीच भी एक सच्चे संवाद की कमी महसूस होती है। यह एक ऐसा समय है जहाँ बातचीत अधिक है, लेकिन संवाद कम है; संपर्क अधिक है, लेकिन संबंध कम हैं। सोशल मीडिया ने हमारे संवाद के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहाँ बातचीत आमने-सामने होती थी, उसमें भावनाओं का आदान-प्रदान होता था, वहीं अब शब्दों और इमोजी के जरिए संवाद सिमट गया है। इस बदलाव ने हमारी अभिव्यक्ति को आसान जरूर बनाया है, लेकिन उसकी गहराई को कहीं न कहीं कम भी कर दिया है। जब हम किसी के चेहरे के भाव, उसकी आवाज़ का उतार-चढ़ाव और उसकी उपस्थिति को महसूस नहीं कर पाते, तो संवाद एक सीमित और सतही रूप ले लेता है। इस स्थिति का सबसे बड़ा असर हमारे रिश्तों पर पड़ा है। रिश्ते केवल संपर्क से नहीं, बल्कि समय, संवेदना और समझ से बनते हैं। सोशल मीडिया ने संपर्क को तो आसान बना दिया है, लेकिन समय और ध्यान को खंडित कर दिया है। आज लोग एक ही समय में कई लोगों से जुड़े रहते हैं, लेकिन किसी एक के साथ पूरी तरह उपस्थित नहीं होते। यह "आधा-अधूरा जुड़ाव" रिश्तों को कमजोर बनाता है। जब बातचीत केवल औपचारिक या दिखावटी रह जाती है, तो उसमें वह आत्मीयता नहीं बचती जो किसी रिश्ते को गहराई देती है। यह स्थिति धीरे-धीरे लोगों को भीतर से "अनसोशल" बना देती है, जहाँ वे वास्तविक संबंधों से दूर होते जाते हैं और आभासी दुनिया में ही संतुष्टि खोजने लगते हैं। सोशल मीडिया का एक और महत्वपूर्ण प्रभाव हमारी सोच और व्यवहार पर पड़ता है। यह माध्यम केवल जानकारी साझा करने का प्लेटफॉर्म नहीं रह गया है, बल्कि यह हमारी धारणाओं और विचारों को भी प्रभावित करता है। एल्गोरिदम आधारित सामग्री हमें वही दिखाती है, जो हम पहले से पसंद करते हैं या जिससे हम सहमत होते हैं। इससे हमारी सोच का दायरा सीमित हो सकता है। हम धीरे-धीरे एक ऐसे "डिजिटल घेरे" में कैद हो जाते हैं, जहाँ हमें केवल वही विचार दिखाई देते हैं, जो हमारे अपने विचारों से मेल खाते हैं। इससे न केवल हमारी आलोचनात्मक सोच कमजोर होती है, बल्कि समाज में संवाद और असहमति की स्वस्थ परंपरा भी प्रभावित होती है। जब लोग केवल अपने जैसे विचारों के बीच रहते हैं, तो वे अलग विचारों को स्वीकार करने में असहज हो जाते हैं और यही असहजता सामाजिक दूरी को और बढ़ा देती है। इसके साथ ही, सोशल मीडिया ने तुलना की एक नई संस्कृति को जन्म दिया है। लोग अपने जीवन के सबसे अच्छे और आकर्षक पहलुओं को साझा करते हैं, जिससे देखने वाले के मन में यह धारणा बनती है कि दूसरों का जीवन उससे बेहतर है। यह लगातार तुलना व्यक्ति के आत्मविश्वास और संतोष को प्रभावित करती है। जब व्यक्ति अपने वास्तविक जीवन की तुलना किसी और के "संपादित" और "सजाए गए" जीवन से करता है, तो उसे अपने जीवन में कमी महसूस होने लगती है। यह भावना उसे भीतर से असंतुष्ट और अकेला बना सकती है। इस तरह सोशल मीडिया न केवल सामाजिक दूरी बढ़ाता है, बल्कि व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सोशल मीडिया ने समय के उपयोग को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहाँ लोग अपने खाली समय में परिवार, मित्रों या समुदाय के साथ समय बिताते थे, वहीं अब वही समय स्क्रीन पर बीतने लगा है। यह बदलाव धीरे-धीरे हमारी प्राथमिकताओं को प्रभावित करता है। जब आभासी दुनिया वास्तविक दुनिया की जगह लेने लगती है, तो हमारे सामाजिक कौशल भी प्रभावित होते हैं। आमने-सामने बातचीत करने की क्षमता, धैर्य से सुनने की आदत और दूसरों की भावनाओं को समझने की संवेदनशीलता—ये सभी गुण धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकते हैं। यह स्थिति केवल वर्तमान की नहीं है, बल्कि भविष्य में भी एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ सकती है। फिर भी यह कहना उचित नहीं होगा कि सोशल मीडिया केवल नकारात्मक प्रभाव डालता है। यह एक शक्तिशाली माध्यम है, जिसने कई सकारात्मक परिवर्तन भी संभव किए हैं। इसने लोगों को अपनी आवाज़ उठाने का मंच दिया है, दूर-दराज़ के लोगों को जोड़ने का अवसर दिया है और कई सामाजिक आंदोलनों को गति दी है। समस्या माध्यम में नहीं, बल्कि उसके उपयोग में है। जब हम सोशल मीडिया का उपयोग सजगता और संतुलन के साथ करते हैं, तो यह हमारे जीवन को समृद्ध कर सकता है। लेकिन जब यह हमारे समय, ध्यान और भावनाओं पर नियंत्रण स्थापित करने लगता है, तब यह हमें "अनसोशल" बनाने की दिशा में ले जा सकता है।इस संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपने उपयोग के तरीके को समझें और उसे नियंत्रित करें। तकनीक का उद्देश्य हमारे जीवन को आसान बनाना है, न कि हमें उसके अधीन कर देना। यदि हम यह तय कर सकें कि हमें कब और कितना समय सोशल मीडिया पर बिताना है और कब वास्तविक जीवन में उपस्थित रहना है, तो हम इस संतुलन को बनाए रख सकते हैं। इसके लिए आत्म-जागरूकता और अनुशासन की आवश्यकता होती है। यह समझना जरूरी है कि हर "नोटिफिकेशन" महत्वपूर्ण नहीं होता और हर "अपडेट" पर प्रतिक्रिया देना आवश्यक नहीं है। साथ ही, समाज के स्तर पर भी इस विषय पर संवाद की आवश्यकता है। परिवार, विद्यालय और संस्थान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि बच्चों और युवाओं को शुरुआत से ही यह सिखाया जाए कि सोशल मीडिया का उपयोग कैसे जिम्मेदारी के साथ करना है।

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत फ्रांस से हारा

चोट की वजह से लक्ष्य सेन नहीं खेले, श्रीकांत और प्रणय भी हारे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से हारकर बाहर हो गई। 2022 की चैंपियन भारतीय टीम 3-0 से हारी। इस मुकाबले में भारत का कोई खिलाड़ी मैच नहीं जीत सका। मैच से पहले ही लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण बाहर बैठना पड़ा, जो टीम के लिए बड़ा झटका था। फ्रांस ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उसने ग्रुप स्टेज में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराने के बाद भारत को भी एकतरफा मुकाबले में हराया। मैच से पहले ही टीम को बड़ा झटका लगा, जब स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन को कोहनी की चोट के कारण बाहर बैठना पड़ा। उनकी गैरमौजूदगी का असर टीम के प्रदर्शन पर साफ नजर आया।वहीं फ्रांस ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल जारी रखा। उसने पहले ग्रुप स्टेज में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर सभी को चौंकाया

था और अब सेमीफाइनल में भारत को एकतरफा अंदाज में हराकर फाइनल में जगह बना ली। मुकाबले की शुरुआत से ही फ्रांस के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया। भारतीय टीम के सिंगल्स और डबल्स दोनों ही मुकाबलों में फ्रांस ने दबदबा बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी लय हासिल करने में संघर्ष करते नजर आए और फ्रांस ने बिना ज्यादा दबाव के तीनों मुकाबले अपने नाम कर लिए।फ्रांस की टीम का इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। सेमीफाइनल से पहले उसने ग्रुप स्टेज में 14 बार की चैंपियन इंडोनेशिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। भारत के खिलाफ भी टीम ने उसी आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए

लक्ष्य सेन कोहनी की चोट के कारण बाहर रहे

क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान लक्ष्य सेन को दाहिनी कोहनी में चोट लग गई थी। मैच के दौरान कई बार डाइव लगाने की वजह से उनकी कोहनी में सूजन आ गई थी। भारतीय बैडमिंटन संघ (BAI) के महासचिव संजय मिश्रा ने बताया कि मेडिकल स्टाफ की सलाह पर एहतियात के तौर पर उन्हें आराम दिया गया ताकि वे गंभीर चोट से बच सकें। उनकी गैरमौजूदगी में भारत की चुनौती कमजोर पड़ गई।

एकतरफा जीत दर्ज की और फाइनल में जगह पक्की कर ली। कोचिंग स्टाफ और विश्लेषकों का मानना है कि टीम को भविष्य के बड़े टूर्नामेंट्स के लिए अपनी रणनीति और फिटनेस पर और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। खासकर प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस टीम के प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाती है।

लक्ष्य सेन को दाहिनी कोहनी में चोट लग गई थी।

आयुष शेट्टी को क्रिस्टो पोपोव ने 39 मिनट में हराया

मुकाबले की शुरुआत में आयुष शेट्टी का सामना क्रिस्टो पोपोव से हुआ। पोपोव ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बनाए रखा और नेट पर शानदार खेल दिखाया। उन्होंने आयुष को 21-11, 21-9 से हराकर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी।

39 मिनट तक चले इस मैच में आयुष कहीं भी टिकते नजर नहीं आए। कल अपना 21वां जन्मदिन मनाने जा रहे आयुष ने हार के बाद कहा, क्रिस्टो आज काफी बेहतर खेल रहे थे। उनकी स्पीड और गेम प्लान ने मुझे दबाव में डाल दिया।

किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय भी नहीं दिला पाए जीत

दूसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का मुकाबला एलेक्स लानियर से था। श्रीकांत ने लड़ने की कोशिश की, लेकिन लानियर ने सीधे गेम में 21-18, 21-16 से जीत दर्ज कर फ्रांस की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद 'डू और डाई' मुकाबले में एचएस प्रणय कोर्ट पर उतरे। उनका मुकाबला टोमा जूनियर पोपोव से था। प्रणय ने मैच की अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन अंत में वे अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए और 19-21, 16-21 से मैच हार गए। इसके साथ ही भारत का सफर सेमीफाइनल में खत्म हो गया।

उबर कपः साउथ कोरिया और चीन के बीच होगा फाइनल

महिलाओं के उबर कप टूर्नामेंट में साउथ कोरिया ने फाइनल में जगह बना ली है, जहां उनका मुकाबला चीन से होगा। सेमीफाइनल में साउथ कोरिया ने इंडोनेशिया को 3-1 से मात दी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में चीन ने जापान को 3-0 से हराकर फाइनल का टिकट कटाया।

'पहली बार 15 साल के बच्चे को देखकर डर गया'

वैभव सूर्यवंशी के विकेट पर काइल जैमिसन बोले

पटना, एजेंसी

"मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी जिंदगी में किसी 15 साल के बच्चे से इतना डरा होऊंगा, लेकिन हां, हमने मैच से पहले प्लानिंग की थी और उसका फायदा भी मिला।" इंडियन प्रीमियर लीग के 43वें मैच में वैभव सूर्यवंशी को आउट करने के बाद काइल जेमिसन ने ये बातें कहीं। दरअसल, शुक्रवार को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच एक रोचक मुकाबला खेला गया। दिल्ली के गेंदबाज काइल जेमिसन ने सूर्यवंशी को आउट कर आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। इस दौरान जेमिसन ने ताली बजाते हुए वैभव को आंखें भी दिखाईं। काइल जेमिसन के इस व्यवहार पर भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) ने भी कार्रवाई की है। वैभव सूर्यवंशी और दिल्ली के गेंदबाज काइल जेमिसन के बीच दूसरे ओवर में जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। पहले सूर्यवंशी ने अपनी पहली गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर चौका

जड़ा। इसके अगली ही गेंद पर जेमिसन ने डिपिंग फुल टॉस पर सूर्यवंशी को क्लीन बोल्ड कर दिया। विकेट लेने के बाद जेमिसन, सूर्यवंशी के पास गए और आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। मैच खत्म होने के बाद जेमिसन ने कहा, राजस्थान रॉयल्स की टीम के टॉप दो बल्लेबाज कितने खतरनाक हैं, यह सभी को पता है। एक को मिचेल स्टार्क ने आउट किया और दूसरे को मैंने अपनी यॉर्कर से पवेलियन भेजा।" सोशल मीडिया पर क्रिकेट प्रेमियों ने काइल जेमिसन के इस रवैये की आलोचना की और इसे खेल भावना के खिलाफ बताया।

फास्ट न्यूज

घायल फैन का प्रीति जिंटा ने पूछा हालचाल

मुंबई। प्रियांश आर्य के छक्के से घायल हुए बुजुर्ग फैन कृष्णचंद को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद टीम की को-ओनर प्रीति जिंटा ने वीडियो कॉल पर उनसे बात की और उनका हालचाल पूछा। इस बातचीत का वीडियो पंजाब किंग्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर शेयर किया, साथ ही लिखा, फैंस हमेशा पहले आते हैं। कृष्ण चंद जी के जल्दी ठीक होने की कामना करते हैं।

पापा के करीब रहने बॉलीवुड में आना चाहती थीं त्रिशाला

नई दिल्ली। संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त एक समय बॉलीवुड में आना चाहती थीं। इसकी वजह एक्टिंग का सपना नहीं, बल्कि पिता के करीब रहना था। त्रिशाला ने इनसाइड थॉट्स आउट लाउड पॉडकास्ट में कहा कि बचपन में उन्हें लगता था कि फिल्मों में आने से वह पिता के साथ ज्यादा समय बिता पाएंगी। त्रिशाला, संजय दत्त और उनकी पहली पत्नी ऋचा शर्मा की बेटी हैं। ऋचा का 1996 में ब्रेन ट्यूमर से निधन हुआ था। इसके बाद त्रिशाला अमेरिका में नाना-नानी के साथ पली-बढ़ीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने बॉलीवुड में आने की इच्छा जताई, तब संजय दत्त ने पूछा था कि क्या एक्टिंग सच में उनका पैशन है। त्रिशाला के मुताबिक, उन्होंने पिता से कहा था कि वह सिर्फ उनके करीब रहना चाहती हैं। इस पर संजय दत्त ने समझाया कि सिर्फ स्टार किड होने से कोई ए-लिस्ट एक्ट्रेस नहीं बनता। उन्होंने बेटी को वही करने की सलाह दी।

मैंने पिता को टूटते देखा है : अनिल कपूर

मुंबई। अनिल कपूर ने हाल ही में अपने पिता और फिल्म प्रोड्यूसर सुरिंदर कपूर के संघर्ष भरे दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि एक फिल्म फ्लॉप होने के बाद इंडस्ट्री ने उनके पिता से दूरी बना ली थी। उस दौर में सुरिंदर कपूर इतने टूट गए थे कि कई बार रो पड़ते थे। अनिल कपूर ने यह बात लिली सिंह के पॉडकास्ट में कही। उन्होंने बताया कि उनके पिता बेहद ईमानदार और सादगी पसंद इंसान थे।

धुरंधर 2 बनी दूसरी सबसे बड़ी भारतीय फिल्म

मूवी ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ा, अब सिर्फ कलेक्शन में दंगल आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

धुरंधर 2 दुनियाभर में दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। फिल्म की दुनियाभर में कमाई 1,788.32 करोड़ रुपए हो गई। धुरंधर 2 ने बाहुबली 2 को पीछे छोड़ दिया, जिसने 1,788.06 करोड़ रुपए कमाए थे। अब यह सिर्फ दंगल (2070 करोड़) से पीछे है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने रिलीज के 45वें दिन भारत में 2.77 करोड़ का नेट कलेक्शन किया। फिल्म का कुल भारत नेट कलेक्शन अब 1,138.54 करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1,362.57 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। ओवरसीज में फिल्म का कुल कलेक्शन अब 425.75 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वहीं, फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,788.32 करोड़ रुपए हो चुका है। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए।

स्पेशल कोर्ट में गवाही के दौरान खुलासा, हमलावरों ने 4-5 राउंड फायरिंग की

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग 'हत्या की कोशिश'

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के पर्सनल बॉडीगार्ड ने शनिवार को स्पेशल कोर्ट में बताया कि अप्रैल 2024 में उनके घर के बाहर हुई फायरिंग एक्टर की हत्या की कोशिश थी। हालांकि, अब तक अदालत में गवाही देने वाले सलमान के पर्सनल बॉडीगार्ड का नाम सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि सलमान की सिक्योरिटी में कई बॉडीगार्ड रहते हैं, जिनमें सबसे प्रमुख बॉडीगार्ड गुरमीत सिंह जॉली (शेरा) हैं। समाचार एजेंसी PTI के अनुसार, इस मामले की सुनवाई पिछले महीने शुरू हुई, जिसमें बॉडीगार्ड ने पहले गवाह के रूप में बयान दिया। 14 अप्रैल 2024 को दो बाइक सवार लोगों ने बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर फायरिंग की थी। गवाह

के अनुसार हमलावरों ने चार से पांच राउंड फायर किए। इसके बाद वह और अन्य गार्ड तुरंत बाहर गए, लेकिन हमलावर 'आई लव बांद्रा' पॉइंट की ओर भाग गए और फिर मेहबूब स्टूडियो रोड की तरफ निकल गए। स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर महेश मुले ने कोर्ट में CCTV फुटेज पेश किया, जिसमें बाइक गेट के पास आती दिख रही है। गवाह ने वीडियो में डिटेल्स की पहचान की। बॉडीगार्ड

पटाखों जैसी आवाज सुनाई दी थी

बॉडीगार्ड ने बताया कि वह 13 अप्रैल को शाम 7 बजे अपनी ड्यूटी पर आया था। उस समय सलमान की सुरक्षा गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से मिली धमकियों के कारण बढ़ाई गई थी। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को सुबह पटाखों जैसी आवाज सुनाई दी। CCTV स्क्रीन पर देखा कि दो लोग हेलमेट पहनकर बाइक पर आए और बिल्डिंग की ओर फायरिंग की।

ने बताया कि घटना के समय सलमान पहली मंजिल पर अपने बेडरूम में थे। उन्होंने कहा कि यह फायरिंग एक्टर की हत्या की कोशिश थी।

ईरान जंग के 2 महीने, दुनिया में मंदी का संकट

दावा- अमेरिका ने 95 लाख करोड़ खर्चे, ईरान में 3,600+ मौतें, चीन-रूस फायदे में रहे

तेल अवीव/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की ईरान के खिलाफ 28 फरवरी को शुरू हुई जंग को दो महीने हो चुके हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे छोटी और निर्णायक लड़ाई बताया था, लेकिन अब हालात उलट दिख रहे हैं। जंग रुकी जरूर है, पर खत्म नहीं हुई। इस जंग में अब तक ईरान के 3,600 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 1,700 से ज्यादा आम नागरिक हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गोरिन्शास ने चेतावनी दी है कि अगर यह संघर्ष लंबा चलता है और तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं, तो ग्लोबल आर्थिक ग्रोथ रेट गिरकर करीब 2% तक आ सकती है, जिसे आम तौर पर ग्लोबल मंदी माना जाता है। साथ ही जब तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं, तब अमेरिका ने समुद्र में मौजूद रूसी तेल पर कुछ समय के लिए पाबंदियां ढीली कर दीं, जिससे सप्लाई बढ़ सके, इससे रूस को और फायदा हुआ। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के मुताबिक, मार्च में रूस की एनर्जी कमाई करीब दोगुनी होकर 19 अरब डॉलर पहुंच गई, जो फरवरी में 9.75 अरब डॉलर थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल ने लेबनान के करीब 15% हिस्से पर कब्जा कर लिया है और वह इस इलाके को बफर जोन के रूप में बनाए रखना चाहता है, जब तक हिजबुल्लाह को कमजोर नहीं कर दिया जाता। सीनियर पत्रकार नोरा बौस्तानी का कहना है कि लेबनान के लोगों को सबसे बड़ा डर यही है कि देश का एक हिस्सा फिर लंबे समय तक विदेशी कब्जे में रह सकता है। यह इलाका मुख्य रूप से बॉर्डर से लेकर लितानी नदी तक फैला हुआ है। लेबनान के लोग कई दशकों से हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष में फंसे हुए हैं। फरवरी तक एक नाजुक सीजफायर बना हुआ था।

एक्सपर्ट- इस जंग में कोई असली विजेता नहीं

ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूट की सीनियर फेलो मेलानी सिसन ने CNN से कहा कि जंग में कोई असली विजेता नहीं है। अमेरिका को भी रणनीतिक फायदा नहीं मिला है। संघर्ष का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है। ईरान, लेबनान और खाड़ी देशों से लेकर भारत तक पूरी दुनिया के लोग इसकी कीमत चुका रहे हैं।

ईरान में आम जनता पर सरकार की सख्ती

ईरान की सरकार ने भी अंदरूनी विरोध पर सख्ती बढ़ा दी है। साल की शुरुआत से अब तक 600 से ज्यादा लोगों को फांसी दी जा चुकी है। देश में आठ हफ्तों से इंटरनेट बंद है और अर्थव्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। जिससे नौकरियां जा रही हैं और गरीबी बढ़ रही है।

चीन और रूस को जंग से फायदा

चीन इस जंग से अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में दिख रहा है। चीन ने पहले ही तेल के भंडार जोड़ रखे थे और वैकल्पिक ऊर्जा पर भी कई दशकों पहले से ध्यान दे रहा था। साथ ही, अमेरिका की छवि कमजोर होने से उसे कूटनीतिक फायदा मिला है। चीन की तेल और गैस कंपनियां भी मुनाफा कमा रही हैं। CNN के मुताबिक, 6 बड़ी कंपनियां इस साल 94 अरब डॉलर तक का फायदा कमा सकती हैं। इसके अलावा इस जंग से रूस की अर्थव्यवस्था को फायदा मिलता दिख रहा है। तेल और खाद की ऊंची कीमतों की वजह से रूस की कमाई बढ़ी है।

आईएमएफ ने बताया कि जंग से पहले उम्मीद थी कि इस साल वैश्विक महंगाई 4.1% से घटकर 3.8% हो जाएगी, लेकिन अब 4.4% तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं हार्वर्ड की इकोनॉमिस्ट लिंडा बिल्म्स का अनुमान है कि अमेरिका ने इस युद्ध पर करीब 1 ट्रिलियन डॉलर यानी 95 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। हालांकि अमेरिकी सरकार ने 25 अरब डॉलर खर्च करने की बात कही है। दूसरी तरफ से इस जंग से चीन और रूस को फायदा मिल रहा है।

बर्कशायर हैथवे की मीटिंग में स्वेटर पहनकर पहुंचे वॉरेन बफेट

एपल सीईओ टिम कुक की तारीफ की, ग्रेग एबेल ने पहली बार मीटिंग लीड की

ओमाहा, अमेरिकी, एजेंसी

बर्कशायर हैथवे की सालाना शेयरहोल्डर्स मीटिंग 1 मई को हुई। कंपनी के नए CEO ग्रेग एबेल पहली बार मीटिंग लीड किया। 93 साल के वॉरेन बफेट जो आमतौर पर सूट-बूट में दिखते हैं, इस बार स्वेटर में पहली रो में बैठे नजर आए। रिटायरमेंट मोड में दिख रहे बफेट ने मीटिंग में एपल में किए गए अपने निवेश और CEO टिम कुक की कामयाबी की कहानी सुनाई। बफेट ने कहा कि टिम कुक ने स्टीव जॉब्स जैसे लेजेंड की जगह ली और खुद को साबित करके दिखाया। बफेट ने हालांकि मैनेजमेंट से दूरी बना ली है, लेकिन एपल जैसे बड़े निवेश पर उनकी बातों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया। बर्कशायर के पोर्टफोलियो में एपल आज भी सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखता है। बफेट ने मीटिंग में याद दिलाया कि करीब एक दशक पहले बर्कशायर ने एपल पर एक बड़ा दांव खेला था। उस वक्त कंपनी ने अपने कुल संसाधनों का लगभग 10% यानी

35 बिलियन डॉलर (करीब 2.91 लाख करोड़ रुपए) एपल के शेयरों में लगा दिए थे। बफेट ने कहा, 'तब टिम कुक को औसत अमेरिकी निवेशक भी ठीक से नहीं जानता था। हमने इतनी बड़ी रकम एक ऐसे शख्स के हाथ में सौंप दी थी, जिसने एक लेजेंड (स्टीव जॉब्स) के बाद कमान संभाली थी।' बफेट ने बताया कि एपल में किया गया निवेश बर्कशायर के लिए जैकपॉट साबित हुआ है। 35 बिलियन डॉलर का वह शुरुआती निवेश आज बढ़कर 185 बिलियन डॉलर (करीब 15.42 लाख करोड़ रुपए) हो चुका है। इसमें डिविडेंड और शेयरों की बढ़ी हुई कीमत दोनों शामिल हैं।

मंजूरी : ऑटोमैटिक रूट से विदेशी निवेश का रास्ता साफ, एलआईसी में लिमिट 20% ही रहेगी

इंश्योरेंस सेक्टर में 100% एफडीआई को सरकार की मंजूरी

मुंबई, एजेंसी

केंद्र सरकार ने शनिवार (2 मई) को इंश्योरेंस सेक्टर में 100% फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट यानी FDI को मंजूरी दे दी है। अब विदेशी निवेशक ऑटोमैटिक रूट के जरिए भारतीय इंश्योरेंस कंपनियों में पूरी हिस्सेदारी ले सकेंगे, हालांकि LIC के लिए निवेश की सीमा 20% पर ही बरकरार रखी गई है। सरकार के नोटिफिकेशन के मुताबिक, इंश्योरेंस सेक्टर में विदेशी निवेश बीमा अधिनियम-1938 के प्रावधानों के अधीन होगा। निवेश प्राप्त करने वाली कंपनियों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे बीमा और संबंधित गतिविधियों के लिए इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (IRDAI) से आवश्यक लाइसेंस या मंजूरी प्राप्त करें। इसके साथ ही नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि जिस भारतीय बीमा कंपनी में विदेशी निवेश होगा, उसके बोर्ड के चेयरपर्सन,

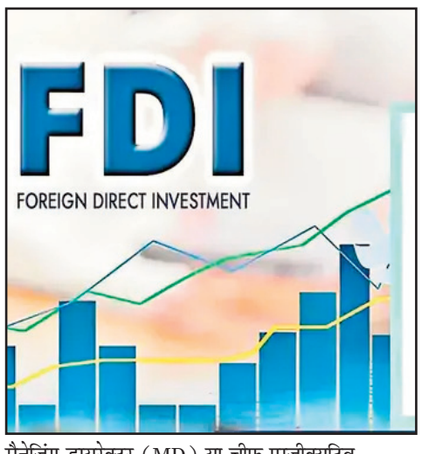

मैनेजिंग डायरेक्टर (MD) या चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) में से कम से कम एक व्यक्ति भारतीय नागरिक होना चाहिए। इस कानून के जरिए बीमा क्षेत्र से जुड़े तीन प्रमुख कानूनों—बीमा अधिनियम 1938, एलआईसी अधिनियम 1956 और IRDAI से 10% तक की नॉन-कंट्रोलिंग हिस्सेदारी (बिना नियंत्रण वाली हिस्सेदारी) के निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, यह ऑटोमैटिक रूट के तहत आएगा।

एलआईसी के लिए अलग नियम और 20% की सीमा

- लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (LIC) के मामले में सरकार ने अलग फ्रेमवर्क रखा है। LIC में ऑटोमैटिक रूट के तहत विदेशी निवेश की अधिकतम सीमा 20% ही रहेगी।
- LIC में होने वाला यह निवेश लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन एक्ट 1956 और बीमा अधिनियम 1938 के उन प्रावधानों के अनुपालन के अधीन होगा जो LIC पर लागू होते हैं।

सीमावर्ती देशों के लिए नियमों में ढील

सरकार ने मार्च में भारत के साथ जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले FDI के नियमों को भी आसान बना दिया है। कैबिनेट ने 'प्रेस नोट 3' फ्रेमवर्क में संशोधन किया है। अब सीमावर्ती देशों से 10% तक की नॉन-कंट्रोलिंग हिस्सेदारी (बिना नियंत्रण वाली हिस्सेदारी) के निवेश के लिए सरकार की पूर्व मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी, यह ऑटोमैटिक रूट के तहत आएगा।

इंश्योरेंस इंटरमीडियरीज को भी मिला फायदा

- सरकार ने इंश्योरेंस इंटरमीडियरीज के लिए भी ऑटोमैटिक रूट के तहत 100% विदेशी निवेश की मंजूरी दी है।
- इसमें इंश्योरेंस ब्रोकर्स, री-इंश्योरेंस ब्रोकर्स, इंश्योरेंस कंसल्टेंट्स, कॉर्पोरेट एजेंट्स और थर्ड पार्टी एडमिनिस्ट्रेटर शामिल हैं।
- इसके अलावा सर्वेयर, लॉस असेसर, मैनेजिंग जनरल एजेंट्स और इंश्योरेंस रिपॉजिटरी जैसी संस्थाओं को भी इसका लाभ मिलेगा।

दिसंबर में पास हुआ था बिल

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT) ने फरवरी में ही इस संबंध में जानकारी दी थी। इससे पहले दिसंबर 2025 में संसद ने 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानून संशोधन) विधेयक, 2025' पारित किया था।

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन

3 साल का कार्यकाल होगा, टी-रबी शंकर की जगह लेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट यानी ACC ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उनकी यह नियुक्ति 3 साल के लिए होगी, जो 3 मई या उसके बाद से प्रभावी मानी जाएगी। जैन वर्तमान डिप्टी गवर्नर टी रबी शंकर की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है। रोहित जैन इससे पहले दिसंबर 2020 से आरबीआई में कार्यकारी निदेशक (ED) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कार्यकारी निदेशक के तौर पर जैन ने सुपरविजन विभाग (रिस्क, एनालिटिक्स और वल्नरेबिलिटी असेसमेंट) की जिम्मेदारी संभाली है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने डिप्टी गवर्नर पद के लिए चार कार्यकारी निदेशकों का इंटरव्यू लिया था, जिसमें से जैन के नाम पर मुहर लगी है। जैन के पास रिजर्व बैंक में करीब तीन दशकों का लंबा अनुभव है। उन्होंने अपने

करियर के दौरान सुपरविजन, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट और बैंकिंग समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया है। शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो जैन ने कॉमर्स में मास्टर डिग्री (M.Com) और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री (MBA) हासिल की है। इसके साथ ही उन्होंने बैंकिंग रिस्क और रेगुलेशन में इंटरनेशनल सर्टिफिकेट (ICRR) और सर्टिफाइड एसोसिएट ऑफ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (CAIIB) जैसी प्रोफेशनल डिग्रियां भी ली हैं। वे एक सर्टिफाइड बैंक ट्रेनर भी हैं।

सूरत में देश का पहला बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम शुरू

सूरत। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को भारत का पहला मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) बैरियर-लेस टोलिंग सिस्टम लॉन्च किया। यह सिस्टम गुजरात में सूरत-भरूच सेक्शन के NH-48 पर चोर्यासी टोल प्लाजा पर शुरू किया गया है, जिससे वाहन बिना रुके टोल दे सकेंगे। बैरियर-फ्री टोलिंग मल्टी-लेन फ्री फ्लो (MLFF) टेक्नोलॉजी पर आधारित है। यह 120 की स्पीड से भी गुजरने वाली गाड़ियों को बिना रुके टोल पॉइंट से गुजरने की सुविधा देती है। पारंपरिक टोल प्लाजा पर जहां फिजिकल बैरियर होते हैं वहीं यह सिस्टम सेंसर और कैमरों से लैस ओवरहेड फ्रेम का इस्तेमाल करता है, ताकि गाड़ियों की अपने-आप पहचान हो सके और टोल शुल्क रियल टाइम में काट लिया जाए। यह सिस्टम FASTag को ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ता है। हाई-परफॉर्मेंस वाले एआई कैमरे 120 किमी की स्पीड से भी गुजरने वाली गाड़ियों की नंबर प्लेट पढ़ लेते हैं, जबकि RFID रीडर FASTag स्टिकर को स्कैन करते हैं। इसके बाद टोल की रकम सीधे लिंक्ड अकाउंट से काट ली जाती है।

आप नेताओं को घसीटकर ले गई लखनऊ पुलिस

स्मार्ट मीटर के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन, पगड़ी का अपमान करने का आरोप

आप नेता प्रतिपाल सिंह ने पुलिस पर पगड़ी नोच कर अपमानित करने का आरोप लगाया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्मार्ट मीटर के विरोध को लेकर आम आदमी पार्टी (AAP) ने रविवार को जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शक्ति भवन पहुंचे और वहां से नारेबाजी करते हुए विधानसभा की ओर कूच करने लगे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में पोस्टर और तख्तियां थीं, जिनके जरिए वे राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध जता रहे थे। जुलूस जैसे ही आगे बढ़ा, पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्हें श्रीराम टावर के पास रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की मांग पर अड़ गए, जिससे मौके पर तनाव का माहौल बन गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जो कुछ ही देर में धक्का-मुक्की में बदल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ कार्यकर्ताओं को जबरन पकड़कर पुलिस वाहन में बैठाया गया और बाद में उन्हें ईको गार्डन ले जाया गया, जहां अस्थायी हिरासत की व्यवस्था की गई थी। प्रदर्शन में शामिल नेता प्रतिपाल सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई के दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने दावा किया कि उनकी पगड़ी नोचकर उनका अपमान किया गया, जिससे समर्थकों में नाराजगी और बढ़ गई। इस आरोप के बाद राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। वहीं, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन बिना अनुमति के था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए। अधिकारियों के मुताबिक, किसी के साथ जानबूझकर दुर्व्यवहार नहीं किया गया और स्थिति को शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने शक्ति भवन के बाहर प्रदर्शन किया।

'बिजली मुनाफे का सौदा बना'

प्रदर्शन कर रहे दिनेश ने कहा कि मौजूदा सरकार प्रदेश की जनता को लूटने का काम कर रही है। महंगाई और स्मार्ट मीटर के खिलाफ हम लोग हल्ला बोल आंदोलन कर रहे हैं। यह प्रदर्शन पूरे प्रदेश में हो रहा है। प्रदेश की जनता महंगाई से पहले ही त्रस्त थी। अब स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता को और अधिक परेशान किया जा रहा है। महंगी बिजली दी जा रही है। स्मार्ट मीटर की वजह से बिल में जबरदस्त तरीके से बढ़ोतरी आ रही है, जिसका हम लोग विरोध कर रहे हैं। स्मार्ट मीटर से जनता को बेवकूफ बनाया जा रहा। केंद्र और राज्य की सरकार उद्योगपतियों के लिए काम कर रही हैं। बिजली जो एक मूल जरूरत है इस मुनाफे का सौदा बना दिया गया है।

'स्मार्ट मीटर से स्मार्ट तरीके से लूटा जा रहा है'

जिला अध्यक्ष इरम ने कहा कि स्मार्ट मीटर धोखा है। स्मार्ट मीटर के नाम पर हम सभी लोगों को गुमराह किया जा रहा है ।

स्मार्ट मीटर से स्मार्ट तरीके से जनता को लूटने का काम हो रहा है। जबरदस्ती घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो हमें स्वीकार नहीं है।

इसके खिलाफ लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और जब तक स्मार्ट मीटर लगना बंद नहीं हो जाएगा विरोध चलता रहेगा।

आम आदमी पार्टी आम आदमी के लिए संघर्ष कर रही है।

पगड़ी नोचने का आरोप लगाया

प्रदर्शन में शामिल सरदार प्रतिपाल सिंह ने कहा कि हम जनता के लिए सड़क पर उतरे हैं, मगर पुलिस हमारे साथ अभद्रता कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस के द्वारा उनकी पगड़ी को नोच कर खोल दिया गया। उन्हें जमीन पर घसीटा गया। पगड़ी हमारा सम्मान है, जिसे उतार कर पुलिस ने पहचान और हमारे धर्म का अपमान किया है। यह स्मार्ट मीटर लूट का स्मार्ट तरीका है। रिचार्ज होने के बाद भी मीटर बंद और बत्ती गुल होजाती है। 5 गुना अधिक बिल आ रहा है। जनता त्रस्त हो चुकी है। पूरे प्रदेश में स्मार्ट मीटर से हाहाकार मचा हुआ है।

आरक्षण के विरोध में नर्सिंग स्टाफ एसोसिएशन ने दिया धरना

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नर्सिंग स्टाफ एसोसिएशन (एनएसए) ने आज सुबह ईएमआरसीटी की स्टाफ पार्किंग में फैकल्टी के लिए किए गए आरक्षण के विरोध में धरना दिया। एनएसए ने अपने सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में एकत्र होकर अपनी चिंताओं को प्रमुखता से उठाया। नर्सिंग स्टाफ असोसिएशन का कहना है कि स्टाफ पार्किंग सभी कर्मचारियों के लिए समान होनी चाहिए। फैकल्टी द्वारा पार्किंग में अवैध कब्जे से नर्सिंग अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों को रोजाना असुविधा हो रही है। धरने के दौरान चिकित्सा अधीक्षक एवं नोडल सिक्युरिटी अधिकारी डीके पाण्डेय द्वारा धरना स्थल पर पहुंच कर बहुत जल्दी आरक्षण को समाप्त करने का आश्वासन दिया उसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया है। एनएसए ने तत्काल समाधान की मांग की और कहा कि यह मामला न्यायसंगत होना चाहिए। अभी स्टाफ पार्किंग से फैकल्टी आरक्षण हटा दिया गया है , एनएसए का उद्देश्य प्रबंधन और संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस महत्वपूर्ण समस्या की ओर आकर्षित करना था, ताकि जल्द समाधान निकाला जा सके,और भविष्य में पार्किंग आरक्षण की पुनरावृतिति ना हो सके इसके लिए चिकित्सा अधीक्षक के द्वारा सोमवार को निदेशक महोदय के साथ मीटिंग रखी गई है। एनएसए अपने सदस्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। और आगे 1 हफ्ता में सभी स्टाफ पार्किंग से फैकल्टी आरक्षण समाप्त नहीं किया गया तो एनएसए आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श करेगा और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और तेज करेगा। अश्विनी कुमार, प्रचार मंत्री भानु प्रताप सिंह, मंजू लता राव,वीरेंद्र कुमार,शुक्लेश कुमारी और बड़ी सख्या में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों साहित टेक्निकल संवर्ग से सतीश कुमार मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष कर्मचारी महासंघ) एवं अन्य सदस्य गण मौजूद रहे।

फास्ट न्यूज

आगरा एक्सप्रेस-वे पर युवक की मौत

दुबग्गा। लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे के जीरो पॉइंट के पास देर रात एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। यह घटना पारा थाना क्षेत्र में हुई, जहां काकोरी थाना क्षेत्र के ग्राम भलिया निवासी युवक रोहित गौतम की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान रोहित गौतम के रूप में हुई है।

हाथी पर बारात निकाली, लगाई 20 साल की कमाई

मेरठ। मेरठ के एक युवक ने अपने बचपन का सपना सच करने के लिए 20 साल की कमाई दांव पर लगा दी। वह अपनी बारात घोड़ी की बजाय हाथी पर लेकर गया। 5 साल की उम्र में उसने ये सपना संजोया था और अपने पिता और दादा को इसके बारे में बताया था। परिवार ने तब से ही बच्चे की इस जिद को दिल से लगा लिया था और तय कर लिया था कि अंकित को हाथी पर ही बैठाया जाएगा। 21 अप्रैल को अंकित की बारात जमालपुर से मंडौरा गांव तक हाथी पर निकली। दूल्हा अंकित पहले अपने गांव में हाथी पर सवार होकर घूमा। इसके बाद उसी शान के साथ दुल्हन के गांव पहुंचा। बारात में दूल्हे को हाथी पर देख गांववाले हैरान रह गए। इस नजारे को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इंचौली थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव की यह शादी वह क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई है।

खान सर ने ताजमहल का दीदार किया

आगरा। आगरा में रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच फेमस टीचर और यूट्यूबर खान सर ने ताजमहल का दीदार किया। उनके पहुंचते ही परिसर में मौजूद पर्यटकों और छात्रों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। खान सर को देखते ही लोग उनके पास पहुंचने लगे और सेल्फी और वीडियो लेने की होड़ मच गई। कुछ ही देर में भीड़ बढ़ने पर सुरक्षा कर्मियों को व्यवस्था संभालनी पड़ी और लोगों को नियंत्रित करना पड़ा।

गोरखपुर से 81 दिनों की गो सेवा यात्रा शुरू

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- योगी गो माता को राष्ट्रमाता घोषित करें

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार सुबह गोरखपुर से 81 दिन की गो सेवा यात्रा की शुरुआत की। कार्यक्रम की शुरुआत सहारा एस्टेट स्थित भारत माता मंदिर में पूजा-अर्चना से हुई। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- हम यहां योगी आदित्यनाथ के लिए नहीं आए हैं। गोरक्षा के नाम पर इस जगह का नाम है। गुरु गोरखनाथ की तपोस्थली है, इसलिए हम यहां से यात्रा शुरू कर रहे हैं। केवल उन्हें जानकारी देनी होती तो हम प्रदेश के किसी जिले में करते उन तक जानकारी पहुंच ही जाती। गोरखपुर ग्रामीण से शुरू यह यात्रा गोरखपुर शहर विधानसभा में सम्पन्न होगी। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य गायों के संरक्षण को बढ़ावा देना और गो माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए जनजागरण करना है। यात्रा के दौरान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद रोजाना 5 विधानसभा क्षेत्रों से गुजरेंगे। वे अपने रथ से ही लोगों को संबोधित करेंगे। यात्रा रोज सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी। यह यात्रा प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेगी और 23 जुलाई को गोरखपुर में ही समापन होगा, जहां एक बड़ी जनसभा आयोजित की जाएगी। जिला प्रशासन ने सहारा एस्टेट में कार्यक्रम के लिए 29 शर्तों के साथ अनुमति दी है।

रील बनाने पानी की टंकी पर चढ़े थे, सीढ़ी टूटने से 3 नीचे गिरे, एक की मौत

2 बच्चों का एयरफोर्स हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर। यूपी के सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर 16 घंटे से फंसे बच्चों का एयरफोर्स के MI-17 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। दोनों को गोरखपुर के एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार को काशीराम आवास कॉलोनी में 5 बच्चे रील बनाने के लिए 60 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़े थे। उतरते वक्त सीढ़ी टूट गई। 3 बच्चे नीचे गिर गए। इनमें से 1 की मौत हो गई, जबकि 2 की हालत गंभीर है। 2 बच्चे रॉड पकड़कर लट गए। फिर धीरे-धीरे टंकी पर चढ़ गए। टंकी के आसपास दलदल होने की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें आईं। हाइड्रॉलिक क्रेन मंगाई गई, लेकिन दलदल के कारण क्रेन टंकी तक नहीं पहुंच पाई। इसलिए 150 मीटर सड़क बनाने का काम शुरू किया गया। देर रात तक 120 मीटर तक सड़क बना ली गई। इस बीच, रात करीब 3 बजे तेज बारिश शुरू हो गई, जिससे काम रोकना पड़ा। हालात देखते हुए प्रशासन ने सेना की मदद मांगी। इसके बाद रविवार सुबह करीब 5.20 बजे एयरफोर्स का MI-17 हेलिकॉप्टर घटनास्थल पर पहुंचा। दोनों बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया। 12 साल का बाले सिद्धार्थनगर स्थित काशीराम आवास कॉलोनी में अपने मौसेरे भाई दीपचंद के घर चार दिन पहले आया था। शनिवार दोपहर 3 बजे वो पड़ोस के गोलू (15), शनि (11), कल्लू (15) और पवन (16) के साथ आवास के पास ही जर्जर पानी की टंकी पर रील बनाने के लिए चढ़ गया। ऊपर थोड़ी देर रुकने के बाद सभी एक-एक करके नीचे आने लगे, तभी अचानक जर्जर सीढ़ी टूट गई। इसके चलते बाले, शनि और गोलू नीचे आ गिरे। बाले के ऊपर सीढ़ी का मलबा गिर गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। शनि और गोलू घायल हो गए। कल्लू और पवन ऊपर फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में लोगों ने गोद में उठाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां बाले को डॉक्टरों को मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर DM शिवशरणप्पा जीएन और SSP अभिषेक महाजन समेत कई अफसर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य शुरू कराया। मौके पर पोकलेन बुलाकर मलबा हटाया गया। बच्चों तक रस्सी के जरिए खाना और पानी पहुंचाया गया।

- पानी की टंकी पर फंसे बच्चों को बचाने के लिए एयरफोर्स ने हेलिकॉप्टर भेजा। उसे देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई।
- सीढ़ी टूटने के बाद दो बच्चे पानी की टंकी पर ही फंस गए थे। डरे-सहमे बच्चे टंकी पर ही बैठे रहे।

आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में लोगों ने गोद में उठाकर घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां बाले को डॉक्टरों को मृत घोषित कर दिया। सूचना के बाद मौके पर डीएम शिवशरणप्पा जीएन और एसएसपी अभिषेक महाजन समेत कई अफसर पहुंचे।

500-500 के नोट बिछाकर सोने वाली लड़की टंकी पर चढ़ी

चिल्लाकर बोली- जान दे दूंगी, 9 घंटे तक ड्रामा किया, लवमैरिज की थी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में 500-500 रुपए के नोट बिछाकर सोने वाली 32 साल की पल्लवी सिंह शनिवार दोपहर 1 बजे पानी की टंकी पर चढ़ गई। 50 फीट ऊंचाई से चिल्लाते हुए जान देने की धमकी देने लगी। उसकी आवाज सुनकर सैकड़ों लोग जमा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उससे नीचे उतरने को कहा। इस पर पल्लवी ने कहा- उसके खिलाफ दर्ज मुकदमा गलत है। जब तक उसे वापस नहीं लिया जाएगा, वह नीचे नहीं उतरेगी। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। उसने 9 घंटे तक हाई-वोल्टेज ड्रामा किया। रात 10 बजे वह टंकी से नीचे उतरी, जिसके बाद पुलिस उसे थाने ले गई। मामला शहर से 15 किलोमीटर दूर फाफामऊ इलाके का है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पल्लवी सिंह मूल रूप से बलिया की रहने वाली है। अभी फाफामऊ में रहती है। एक दिन पहले उसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई थी, जिसमें वह 500-500 रुपए के नोट बिस्तर पर बिछाकर लेटी हुई थी और मोबाइल चला रही थी। शनिवार को दोपहर में एक बजे वह फाफामऊ के बसना नाला के पास बनी 50 फीट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गई। वहां मौजूद लोगों को लगा कि युवती फोन पर बात करने गई है। लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- लड़की सीढ़ी का ताला तोड़कर ऊपर गई है। इसके बाद वहां भीड़ लग गई। इसी बीच एक राहगीर महिला टंकी के ऊपर चढ़कर युवती को समझाने गई। लेकिन युवती ने फेसबुक लाइव शुरू कर दिया। युवती ने कहा- मैं लव जिहाद की शिकार हो चुकी है, मैंने गोली खा लिया है।

पल्लवी सिंह

- लड़की टंकी पर चढ़कर मोबाइल चलाती रही। फेसबुक पर भी लाइव आई और जान देने की धमकी दी।

पल्लवी ने मोहम्मद आलम से लव-मैरिज की थी। पति ने उसके खिलाफ फाफामऊ थाने में जालसाजी का मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद पल्लवी ने भी पति के खिलाफ केस दर्ज कराया था।

विरोध : महिलाएं बोलीं- बिजली का बिल दोगुना हुआ, चक्काजाम की चेतावनी दी

स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में स्मार्ट मीटर के खिलाफ रविवार को जरौली फेस-1 के न्यू केसा सबस्टेशन पर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने एक स्मार्टमीटर को जमीन पर पटक कर तोड़ा और उसपर चप्पलें बरसाईं। इसके साथ ही स्मार्ट मीटर के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। महिलाओं ने स्मार्टमीटर हटाने की मांग की है। महिलाओं ने चेतावनी दी कि अगर स्मार्ट मीटर नहीं हटाए गए तो जल्द ही सड़क पर उतरकर चक्का जाम करके सरकार को घेरेंगी। कानपुर में स्मार्ट मीटर को लेकर लगातार आक्रोश बढ़ता जा रहा है। जरौली फेस-1 न्यू केसा में रविवार को पोस्टर-बैनर लेकर सैकड़ों महिलाएं पहुंची और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर उनके लिए सुविधा के बजाय मुसीबत बन गए हैं। बिजली का बिल दोगुना से भी ज्यादा आ रहा है। ताला बंद घरों का भी मीटर बैलेंस अपने आप माइनस में चला रहा है, जबकि घरों में कोई बिजली का इस्तेमाल नहीं होता तब भी मीटर की रीडिंग चलती रहती है। इसी तरह संगीता यादव ने कहा कि उनके परिवार की मासिक आय महज 15 से 20 हजार रुपये है, पहले घर का बिल ढाई से तीन हजार तक आता था, लेकिन अब 6-7 हजार रुपए प्रति महीने का हो गया है। स्मार्ट मीटर के नाम पर लोगों से सरकार लूट कर रही है। यह आम जनता के साथ धोखा है। बिजली का इतना अधिक बोझ उठाना मध्यम और गरीब वर्ग के लिए असंभव होता जा रहा है।

हाथों में पोस्टर बैनर लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पब्लिक।

- प्रदर्शन में शामिल स्नेहा मिश्रा ने बताया कि विभाग ने लोगों को गुमराह करके पुराने मीटर हटा दिए और नए स्मार्ट मीटर जबरन लोगों के घरों में लगा दिया है। बिजली इस्तेमाल करने से पहले ही रिचार्ज करना पड़ता है।

स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि इन स्मार्ट मीटरों को तत्काल हटाकर पुराने मीटरों को दोबारा स्थापित किया जाए ताकि आम जनता को आर्थिक और मानसिक प्रताड़ना से राहत मिल सके। लोगों कहना है कि सिर्फ कानपुर ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में इस मुद्दे को लेकर उबाल है लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इन मीटरों को वापस नहीं लिया गया तो आने वाले दिनों में यह आंदोलन और भी उग्र रूप धारण करेगा और लोग सड़कों पर उतरकर बड़े स्तर पर चक्का जाम करेंगे फिलहाल भारी विरोध के चलते प्रशासन और विभाग के बीच हड़कंप मचा हुआ है।

पृष्ठ 01 का शेष...

काउंटिंग ड्यूटी...

BJP नेता संगीता मुखर्जी ने कहा कि हम यहां EVM की सुरक्षा के लिए आए हैं। TMC में कई तरह की गड़बड़ियां हैं और हम चाहते हैं कि EVM सुरक्षित रहें। फोर्स अच्छी तरह तैनात है और चुनाव आयोग भी अच्छा काम कर रहा है, लेकिन हमें TMC पर भरोसा नहीं है। स्पेशल इलेक्टोरल रोल ऑब्जर्वर सुब्रत गुप्ता ने कहा कि हम पूरी तरह तैयार हैं। वोट चोरी की कोई संभावना नहीं है। मतगणना में कोई गड़बड़ी नहीं होगी। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने कहा कि मेरा मानना है कि यह लोकतंत्र के लिए एक अहम दिन है। पिछले छह महीनों में चुनाव आयोग ने इसे कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन बंगाल की जनता ने धैर्य और जिम्मेदारी दिखाते हुए लोकतंत्र की रक्षा की। आने वाले दिनों में बंगाल लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेगा और ऐसी सरकार बनाएगा जो जनता की सेवा करे। कांग्रेस की ओर से मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि भविष्य में कांग्रेस ही असली विकल्प बन सकती है, किसी और पार्टी की तरह नहीं। भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है और तृणमूल कांग्रेस की स्थिति भी अनिश्चित है। कोलकाता में बिधाननगर कॉलेज के स्ट्रांग रूम के बाहर भारी सुरक्षा तैनात की गई है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के वोटों की गिनती कल, 4 मई को होगी। फालता विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा- फालता में केवल भाजपा उम्मीदवार के पास ही पर्याप्त ताकत है। भाजपा एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी। इस बार कोई धांधली नहीं होगी, कोई बूथ कब्जा नहीं होगा, कोई डराना-धमकाना नहीं होगा। चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव कराएगा। पश्चिम बंगाल के फालता विधानसभा क्षेत्र में दोबारा मतदान कराने के फैसले पर तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने सवाल उठाए हैं। पार्टी सांसद सौगत रॉय ने इसे अच्छा फैसला नहीं बताया और पूछा कि सिर्फ इसी सीट को अलग कर फिर से चुनाव क्यों कराया जा रहा है। रॉय ने न्यूज एजेंसी ANI से कहा- हमारे मुताबिक यह अच्छा फैसला नहीं है। सिर्फ फाल्टा को अलग क्यों किया गया और वहां फिर से चुनाव क्यों हो रहा है, यह साफ नहीं है। हालांकि जब चुनाव होगा, हम उसमें हिस्सा लेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 की मतगणना से पहले घाटल विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार सीटल कपाट ने मंदिर जाकर पूजा-अर्चना की। वह रविवार को विशालाक्षी मंदिर पहुंचे और वहां प्रार्थना की। बताया जा रहा है कि मतगणना से पहले उम्मीदवारों का मंदिर जाकर आशीर्वाद लेना आम बात है। इसी कड़ी में सीटल कपाट ने भी जीत की कामना के साथ पूजा की।

4 मंजिला बिल्डिंग...

मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। DNA टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। शुरुआती जांच में AC में धमाके के बाद आग फैलने की बात सामने आ रही है। फिलहाल अधिकारियों ने पुष्टि नहीं की है। इधर, मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 2 लाख रुपए दिए जाएंगे। वहीं, घायलों को 50 हजार रुपए की मदद मिलेगी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि उन्होंने मृतकों के शव देखें हैं। इनमें कौन से शव पुरुष के हैं और कौन सी महिला के, इसकी पहचान करना भी मुश्किल है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी मुकेश वर्मा ने बताया कि चार मंजिला बिल्डिंग के हर फ्लोर पर दो 4BHK फ्लैट हैं। आग बिल्डिंग के पिछले हिस्से में लगी थी और वहीं सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। 6 फ्लैट्स का सामान जल गया। DFS के मुताबित, खिड़कियों और बालकनी पर ग्रिल और लोहे की रॉड लगी थीं, जिससे रेस्क्यू में दिक्कत आई। फिर भी करीब 15 लोगों को बचाया। इनमें से एक व्यक्ति करीब 30% तक जल गया था, जिसे इलाज के लिए गुरु तेग बहादुर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में 29 अप्रैल की सुबह एक 15 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई थी। आग गौर ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी के टावर-डी में 9वें फ्लोर पर लगी।

यूपी में पारदर्शी...

दंत स्वास्थ्य विज्ञानी (डेंटल हाइजीनिस्ट) के पद पर चयनित कानपुर नगर की सभ्या कटियार ने कहा कि योगी सरकार में युवाओं को लगातार रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने इसे अपने जीवन का गौरवपूर्ण दिन बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के विचारों से प्रेरित होकर वो अपने पद की जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी से निभाएंगी। कनिष्ठ विश्लेषक औषधि के पद पर चयनित गाजीपुर के राकेश कुमार यादव ने कहा कि नियुक्ति पत्र पाकर मुझे बहुत खुशी है। भर्ती प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हुई है। जो योग्य अभ्यर्थी हैं सिर्फ वही चयनित हुए हैं। राकेश ने कहा कि सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने नया मुकाम हासिल करके पूरे देश में अग्रणी राज्य के रूप में जाना जा रहा है।

बेटे को नीट का पेपर दिलाने आए पिता की मौत

पटरी पार करते समय ट्रेन से कटा, औरैया से लखनऊ आया था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। औरैया से बेटे को लखनऊ NEET का पेपर दिलाने आए पिता की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। बेटा एग्जाम सेंटर के अंदर पेपर दे रहा था। एग्जाम शुरू होने के बाद पिता सेंटर से कुछ दूर ट्रेन की पटरी की तरफ चला गया। उधर से लौटते समय एक ट्रेन आ गई, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना 3 मई की शाम करीब 4:30 बजे की बीकेटी इंटर कॉलेज के पास की है। मृतक की पहचान अरुण कुमार (46) के रूप में हुई। वह औरैया जिले के भरधना रोड, वार्ड नंबर 6, बस्ती बिधुना का निवासी था। स्थानीय लोगों ने घटना देखते ही पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल से करीब 50 कदम की दूरी पर सीतापुर रोड स्थित इंदौरा बाग चौकी से पुलिस पहुंची। मृतक की शिनाख्त जेब में मिले आधार कार्ड से हुई। पुलिस के अनुसार, अरुण कुमार अपने बेटे यशु को बीकेटी इंटर कॉलेज में NEET की परीक्षा दिलाने के लिए आया था। उसके पास एक बैग मिला, जिसमें आधार कार्ड भी था। जेब में मिले मोबाइल फोन से उसके घर में कॉल किया गया। वहां परिजनों को सूचना मिली तो उन्होंने बताया कि अरुण तो बेटे को NEET की परीक्षा दिलाने ले गए हैं। 5 बजे पेपर खत्म हुआ तो बेटे को भी पुलिस ने बताया। बेटा बीकेटी थाने में पहुंच गया है। बीकेटी थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि सभी कागजी प्रक्रिया पूरी कर मृतक की डेडबॉडी पोस्टमॉर्टम के लिए भेजी गई है। परिजन औरैया से चल दिए हैं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676